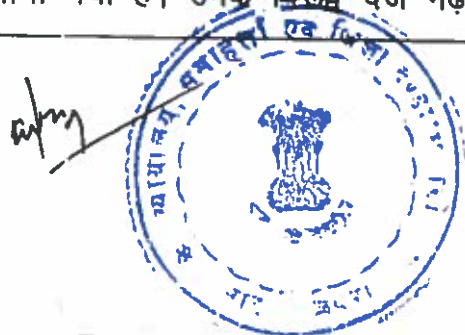


<p>आदेश की क्रम संख्या और तारीख</p>	<p>आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर</p> <p style="text-align: center;"><i>शास्त्र वाड सं. 115/2014</i></p>	<p>आदेश पर की गई कार्रवाई में टिप्पणी तारीख के साथ</p>
<p>6/1/2015</p>	<p style="text-align: center;"><b>सारण समाहरणालय, छपरा।</b></p> <p style="text-align: center;"><b>न्यायालय जिला दंडाधिकारी, सारण, छपरा।</b>  <b>जिला विधि प्रशाखा</b>  <b>संजय कुमार सिंह, पिता-श्री शिवजी सिंह, ग्राम-नेथुआ, थाना-मदौरा, जिला-सारण</b>  <b>आदेश</b></p> <hr/> <p>प्रस्तुत शास्त्रवाद पुलिस अधीक्षक, सारण के पत्रांक 2175/गो0 26.5.14 के द्वारा आवेदक संजय कुमार सिंह, पिता-श्री शिवजी सिंह, ग्राम-नेथुआ, थाना-मदौरा जिला-सारण का एक एन.पी.बोर रायफल की अनुज्ञप्ति हेतु आवेदन पत्र के साथ प्राप्त पुलिस जाँच के उपरान्त आरम्भ किया गया है। यह माननीय उच्च न्यायालय, पटना में दाखिल वाद सं0 12787/2013 से संबंधित है।</p> <p>दिनांक 6.1.15 को आवेदक अपने विज्ञ अधिवक्ता के साथ उपस्थित हुए। उनकी उपस्थिति में सुनवाई की गई थी एवं अभिलेख में संधारित पुलिस जाँच प्रतिवेदन का भी अवलोकन किया गया था।</p> <p>आवेदक के द्वारा बताया गया कि वे वर्तमान में विगत आठ वर्षों से ग्राम पंचायतराज सलीमापुर के मुखिया हैं। पूर्व में उनके बड़े भाई स्व0 अजय कुमार सिंह की हत्या हो चुकी है एवं इनको भी कई बार नक्सलियों से जान से मारने की धमकी मिल चुकी है। जिला प्रशासन के द्वारा पूर्व में उन्हें अंगरक्षक एवं हाउस गार्ड मुहैया कराया गया था, लेकिन बाद में उसे वापस ले लिया गया है। इन्हें अपने राजनीतिक विरोधियों एवं नक्सलियों से हमेशा जान का खतरा बना रहता है। इनके द्वारा आगे बताया गया कि इनके विरोधियों के द्वारा मदौरा थाना कांड सं0 177/10 विधानसभा चुनाव 2010 से संबंधित है, जिसमें पुलिस के द्वारा अनुसंधान करने के उपरान्त उनके विरुद्ध लगे आरोपों को असत्य पाया गया है। उनके विरुद्ध दर्ज मदौरा थाना कांड</p>	



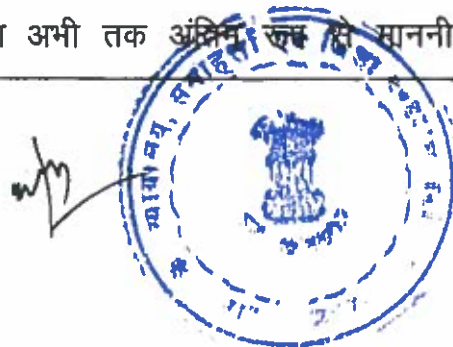
सं० 247/11 भी उनके राजनीतिक विरोधियों के द्वारा आवेदन देकर उन्हें गलत ढंग से फंसाने के लिए दाखिल करवाया गया है, जो मनरेगा कार्यक्रम से संबंधित है। मढ़ौरा थाना कांड सं० 135/13 के संबंध में कहना है कि दो पक्षों के बीच हो रहे झगड़े में स्थानीय मुखिया होने के नाते इनके द्वारा पंचायती की गयी थी, जिसमें एक पक्ष के द्वारा दुर्भावना से ग्रस्त होकर द्वितीय पक्ष के विरुद्ध झूठा मुकदमा दर्ज करा दिया गया, जिसमें उनका नाम भी डाल दिया गया है। इस वाद में पुलिस के द्वारा अभी तक पर्यवेक्षण नहीं किया गया है। इसलिए अपने जानमाल पर खतरे की आशंका को देखते हुए शस्त्र की अनुज्ञप्ति प्रदान करने का अनुरोध किया गया।

आवेदक के द्वारा दिए गए आवेदन पर जॉचोपरान्त पुलिस निरीक्षक-सह-थानाध्यक्ष, मढ़ौरा के ज्ञापांक डीआर 957 दिनांक 22.5.14, अंचलाधिकारी, मढ़ौरा के पत्रांक 781 दिनांक 16.8.12, अनुमंडल पदाधिकारी, मढ़ौरा के पत्रांक 221 दिनांक 31.1.12 के द्वारा प्रेषित प्रतिवेदन को पुलिस अधीक्षक, सारण के पत्रांक 2175/गो० दिनांक 26.5.14 के द्वारा संलग्न कर आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित किया गया।

पुलिस प्रतिवेदन के अवलोकन से ज्ञात हुआ कि आवेदक के विरुद्ध मढ़ौरा थाना अभिलेख में तीन प्राथमिकी दर्ज है:


1. मढ़ौरा थाना कांड सं० 177/10 दिनांक 29.10.10 धारा-341/323/325/308/379/34 भादवि में आरोपत्रित।
2. मढ़ौरा थाना कांड सं० 247/11 दिनांक 17.10.11 धारा-467/468/461/406/409/420 भादवि में आरोपत्रित।
3. मढ़ौरा थाना कांड सं० 135/13 दिनांक 25.5.13 धारा-341/323/324/337/338/354/448/380/504/34 भादवि लंबित।


आवेदक के द्वारा दिए गए बयान, उनके विज्ञ अधिवक्ता के द्वारा प्रस्तुत दलील एवं अभिलेख में रक्षित कागजातों के परिसीलनोपरान्त मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचता हूँ कि पुलिस प्रतिवेदन के अनुसार आवेदक के विरुद्ध स्थानीय थाना में तीन प्राथमिकी दर्ज है, जिनका अभी तक अज्ञात स्थान पर स्थानीय न्यायालय के द्वारा



निष्पादन नहीं किया गया है। आवेदक के द्वारा भी उक्त मामलों के निष्पादन से संबंधित कोई कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया। अतः ऐसी परिस्थिति में उन्हें किसी शस्त्र की अनुज्ञप्ति प्रदान करना विधि-सम्मत प्रतीत नहीं होता है। आवेदक को निर्देश है कि उक्त मामलों का माननीय न्यायालय के द्वारा अंतिम रूप से निष्पादन के पश्चात् पारित आदेश की सच्ची प्रतिलिपि के साथ आवेदन देना सुनिश्चित करेंगे। तत्पश्चात् इस मामले में यथोचित आदेश पारित किया जाएगा।

लेखापित एवं संशोधित

  
जिला दण्डाधिकारी  
सारण, छपरा।

  
जिला दण्डाधिकारी  
सारण, छपरा।

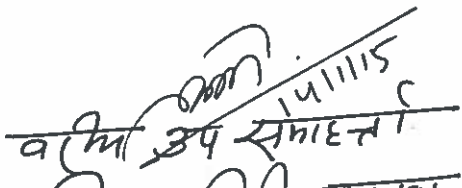
ज्ञापंक 113/ज / न्यायालय, दिनांक 14.1.15

प्रतिलिपि - पुलिस अधीक्षक, सारण, छपरा के सूचना एवं आवश्यक कर्माध्यम के लिए।

प्रतिलिपि - जिला शास्त्र इण्डाधिकारी, सारण के अनिलकुमार में संलग्न क सूचना एवं आवश्यक कर्माध्यम के लिए।

प्रतिलिपि - जिला सूचना एवं विज्ञान पडाधिकारी, NDC, सारण, छपरा के उक्त कोडेश के उस जिले के website पर upload के लिए के लिए।



  
14/1/15  
जिला विधिशाखा  
सारण, छपरा।